गांधी वाटिका में बेजुबानों की दुर्दशा, काई भरे पानी और तपते पिंजरों में तड़प रहीं बत्तखें

नीमच। शहर की पहचान और लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र मानी जाने वाली गांधी वाटिका में बेजुबान जीवों की हालत को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मौके से सामने आई तस्वीरें और स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी गांधी वाटिका की बदहाल व्यवस्था की कहानी बयां कर रही हैं। आरोप हैं कि यहां रखी गई बत्तखों को साफ पानी तक नसीब नहीं हो रहा, जबकि भीषण गर्मी में उन्हें लोहे की चादरों से बने छोटे पिंजरों में रहने को मजबूर किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बत्तखों के लिए बने जलाशय का पानी पूरी तरह काई से भर चुका है। इसके बावजूद उसी पानी की अभी तक सफाई की सुध नहीं ली जा रही है और पीने के लिए भी स्वच्छ पानी की समुचित व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही।

काई भरे पानी में गुजर रहा जीवन: मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि बत्तखों के लिए बना जल क्षेत्र लंबे समय से साफ नहीं किया गया है। पानी में काई जम चुकी है और बदबू भी महसूस की जा सकती है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि:

- जलाशय की नियमित सफाई नहीं हो रही।
- बत्तखों को स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं कराया जा रहा।
- बदबूदार और गंदे पानी में ही उन्हें रहना पड़ रहा है।
- गर्मी के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है।
- पशु प्रेमियों का मानना है कि ऐसी परिस्थितियां पक्षियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं।

तपते पिंजरों में कैद बेजुबान: स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार बत्तखों को लोहे की चादरों से बने छोटे पिंजरों में रखा गया है। गर्मी के दिनों में ये पिंजरे अत्यधिक गर्म हो जाते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दोपहर के समय इन पिंजरों के आसपास खड़ा होना भी मुश्किल होता है। ऐसे में अंदर बंद बत्तखों की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। लोगों का सवाल है कि यदि गांधी वाटिका में पशु-पक्षियों को रखा गया है तो उनके लिए अनुकूल वातावरण और पर्याप्त देखभाल की व्यवस्था क्यों नहीं है।

एक बत्तख गंभीर हालत में मिली: स्थानीय लोगों ने दावा किया कि एक बत्तख काफी कमजोर अवस्था में एक कोने में पड़ी हुई दिखाई दी। लोगों का कहना है कि उसकी स्थिति चिंताजनक नजर आ रही थी। हालांकि इस संबंध में किसी चिकित्सकीय जांच या आधिकारिक पुष्टि की जानकारी सामने नहीं आई है।

पिंजरों में घूम रहे चूहे: मामले का एक और चिंताजनक पहलू पिंजरों के भीतर चूहों की मौजूदगी बताई जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार:

- पिंजरों में चूहों की आवाजाही देखी गई।
- इससे बत्तखों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।
- भोजन और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी बढ़ सकते हैं।
- स्थानीय लोगों ने कहा- कई बार अधिकारियों को बता चुके

जब इस विषय में वहां मौजूद स्थानीय लोगों से चर्चा की गई तो उन्होंने दावा किया कि वे कई बार संबंधित अधिकारियों को स्थिति से अवगत करा चुके हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, उन्होंने बार-बार बत्तखों की स्थिति और व्यवस्था सुधारने की आवश्यकता बताई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। यदि स्थानीय लोगों का दावा सही है तो सवाल यह उठता है कि शिकायतों के बावजूद हालात क्यों नहीं सुधरे।

जिम्मेदार व्यक्ति के बयान पर उठे सवाल

मामले में जब जिम्मेदार व्यक्ति महावीर जी से चर्चा की गई तो उन्होंने शुरुआत में ऐसी किसी भी समस्या से इनकार किया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार जब उन्हें स्थिति से जुड़े प्रमाण होने की बात कही गई तो उन्होंने कथित रूप से कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराया।

नगर पालिका प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल

गांधी वाटिका की मौजूदा स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा समय-समय पर शहर और गांधी वाटिका में आयोजित बैठकों एवं विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होती हैं। साथ ही इन आयोजनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा की जाती हैं। हालांकि नागरिकों का आरोप है कि वाटिका में मौजूद जीव-जंतुओं की स्थिति और लगातार बिगड़ती व्यवस्थाओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि गांधी वाटिका शहर की प्रमुख पहचान है तो यहां रखे गए बेजुबान जीवों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और रखरखाव भी प्रशासन की प्राथमिकताओं में होना चाहिए।

शहर की पहचान पर लग रहे सवाल

गांधी वाटिका को नीमच शहर की प्रमुख सार्वजनिक पहचान माना जाता है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग घूमने और समय बिताने पहुंचते हैं। ऐसे में यहां की बदहाल व्यवस्थाएं केवल पशु कल्याण का विषय नहीं बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही का भी मुद्दा बन गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बेजुबान जीव अपनी परेशानी स्वयं नहीं बता सकते, इसलिए उनकी देखभाल की जिम्मेदारी पूरी तरह उन लोगों पर है जिन्हें इसके लिए नियुक्त किया गया है।

नीमच एसपी ने रात में किया औचक निरीक्षण : कानून व्यवस्था परखने सड़कों पर उतरे

> कॉम्बिंग गश्त के दौरान 120 स्थायी व गिरफ्तारी वारंट तामील - एनडीपीएस एक्ट, आबकारी व अन्य अधिनियमों के तहत कुल 21 प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई

नीमच। नीमच पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए औचक निरीक्षण किया। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात वे अचानक मनासा पट्टी की ओर निकले। एसपी ने मनासा रोड पर विभिन्न सुरक्षा चौकियों और थानों का दौरा किया। उन्होंने सड़क पर लगे चेकिंग पॉइंट, जवासा चौकी, मनासा थाना और कुकड़ेश्वर थाने का औचक निरीक्षण किया।

इसी तरह दिनांक 13/14 जून 2026 की दरमियानी रात जिला नीमच के समस्त थाना क्षेत्रों में एक विशेष कॉम्बिंग गश्त का आयोजन किया गया। इस वृहद अभियान के दौरान जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारियों एवं भारी पुलिस बल द्वारा पूरे जिले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की धरपकड़, आदतन अपराधियों/गुंडा-बदमाशों की चेकिंग, होटल/लॉज व ढाबों की औचक चेकिंग तथा महिला संबंधी अपराधों के आदतन अपराधियों की सघन चेकिंग की गई।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान की गई प्रमुख कार्रवाइयाँ:

सघन वाहन चेकिंग व समन शुल्क - अभियान के दौरान जिले में 12 चिन्हित स्थानों पर संयुक्त चेकिंग पॉइंट लगाए गए। इस दौरान 200 से

अधिक वाहनों की जांच की गई, जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 116 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई कर 57,600/- का समन शुल्क वसूला गया। साथ ही, अत्यधिक शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। फरार आरोपियों व वारंटियों की गिरफ्तारी - लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 120 वारंट तामील कराए गए। इनमें 38 स्थायी वारंट तथा 82 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। अपराध श्रेणी वारंट तामीली - तामील कराए गए वारंटों में मुख्य रूप से मादक पदार्थ तस्करी का 01, शरीर संबंधी अपराधों के 56 तथा संपत्ति संबंधी (चोरी/लूटेरे) अपराधों के 27 वारंट शामिल हैं।

पुलिस टीमों द्वारा रात्रि में कुल 140 सक्रिय निगरानी बदमाशों/गुंडों तथा 02 जिला बदर चल रहे अपराधियों की औचक चेकिंग की गई। उनके वर्तमान निवास, उपस्थिति तथा आजीविका के स्रोतों के संबंध में पुख्ता जानकारी एकत्रित की गई। होटल, लॉज एवं ढाबा चेकिंग- अवैध व असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु जिले के 83 होटलों, लॉजों और ढाबों को खंगाला गया। ढाबा व होटल संचालकों को सख्त हिदायत दी गई कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के आगमन पर तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

अवैध आबकारी व सट्टा एक्ट के तहत कार्रवाई- आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कुल 17 प्रकरण दर्ज कर9,200/- मूल्य की 75 लीटर अवैध देशी व कच्ची शराब जब्त की गई। इसके अतिरिक्त, सट्टा एक्ट के तहत 03 प्रकरणों में5,320/- की नगद राशि बरामद की गई। मादक पदार्थ तस्करों के नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए थाना रतनगढ़ पुलिस द्वारा एक मारुति स्विफ्ट डिजायर कार (क्रमांक: आरजे 14 सीटी 9973) को रोककर चेकिंग की गई। वाहन से तस्करी हेतु ले जाया जा रहा 80 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ (डोडाचूरा)बरामद कर जब्त किया गया।

डॉक्टरों, मेडिकल छात्रों और जनमानस ने किया रक्तदान, 54 यूनिट रक्त संग्रहित

नीमच। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) नीमच द्वारा आयोजित 15 दिवसीय डॉक्टर्स डे सेलिब्रेशन सीरीज का शुभारंभ रविवार को रक्तदान शिविर के साथ हुआ। चोरड़िया हॉस्पिटल स्थित डी-लाइफ ब्लड बैंक में आयोजित शिविर में चिकित्सकों, मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कुल 54 यूनिट रक्तदान किया।

शिविर का आयोजन आईएमए नीमच शाखा के अध्यक्ष डॉ. मनीष चमड़िया के नेतृत्व में किया गया। रक्तदान अभियान में डॉक्टरों ने स्वयं रक्तदान कर समाज के सामने प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर में डॉ. मनीष चमड़िया, डॉ. योगेन्द्र धाकड़, डॉ. नितेश शर्मा, डॉ. नितिन जैन, डॉ. अर्नव चंदेल, डॉ. अंकित माहेश्वरी एवं डॉ. आशीष देवधर सहित कई चिकित्सकों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में मेडिकल कॉलेज नीमच के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

सम्राट गोयल, मलय काले, मेहुल कोड़िया और संस्कार सिंह राजपूत सहित कई मेडिकल छात्रों ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। इस मौके ढ्रूनीमच शाखा के सचिव डॉ. आदित्य भंडारी, डी-लाइफ ब्लड बैंक के संचालक डॉ. मनीष छाबड़ा आदि भी मौजूद थे।

आज दशकों बाद बन रहा दुर्लभ संयोग

नीमच। ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की अमावस्या इस बार सोमवार को होने से सोमवती अमावस्या कहलाएगी। 15 जून को सोमवार के दिन मृगशिरा नक्षत्र एवं शूल-गंड योग में वृषभ उपरांत मिथुन राशि के चंद्रमा की साक्षी में अमावस्या पुरुषोत्तम मास की पूर्णता के साथ आएगी। सोमवार को अमावस्या समाप्त होते ही अधिक मास भी पूर्ण हो जाएगा। इसके बाद शुद्ध ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष का आरंभ होगा।

पंडित शैलेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि इस बार अमावस्या पर बनने वाले अमृत सिद्धि योग का विशेष महत्व है। इस दिन देव, ऋषि, पितृ एवं दिव्य मनुष्य तर्पण विधान के साथ तीर्थ श्राद्ध

तथा पितरों के निमित्त किए गए कामना-परक श्राद्ध का कई गुना पुण्य फल प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि मध्यरात्रि में साधना करने वाले साधकों और उपासकों के लिए भी यह समय विशेष ऊर्जा प्रदान करने वाला रहेगा। इस दृष्टि से अमृत सिद्धि योग में किए गए धार्मिक कार्यों का पुण्य अमृत तुल्य माना जाएगा। धार्मिक उपासना के लिए यह अमावस्या अत्यंत महत्वपूर्ण है। दशकों बाद इस प्रकार का शुभ संयोग बन रहा है।

दिन में सूर्य का मिथुन राशि में प्रवेश : पुरुषोत्तम मास के कृष्ण पक्ष की यह अमावस्या उदयकाल से स्पर्श में रहेगी, किंतु दर्श अमावस्या होने के कारण इसका प्रभाव पूरे दिन रहेगा। साधना, उपासना और आराधना की दृष्टि से भी यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी गई है। इसी दिन दोपहर 12:32 बजे सूर्य वृषभ राशि को छोड़कर मिथुन राशि में प्रवेश करेगा।

अधिक मास में दान-धर्म नहीं कर पाए तो अमावस्या पर करें : पुरुषोत्तम मास में जो उपासक, साधक, दर्शनार्थी या यात्री किसी कारणवश दान-धर्म अथवा धार्मिक अनुष्ठानों में भाग नहीं ले पाए हों, वे इस अमावस्या पर संकल्प के अनुसार अपने इष्ट की सिद्धि और पितरों की प्रसन्नता के लिए धार्मिक कृत्य कर सकते हैं।

रोटरी क्लब नीमच के सेवा प्रकल्प और दानदाताओं का समर्पण अनुकरणीय : मंडलाध्यक्ष रोटे

नीमच। स्थानीय गोमाबाई नेत्रालय मार्ग स्थित रोटरी सामुदायिक भवन में रोटरी क्लब नीमच द्वारा 'मंडलाध्यक्ष आधिकारिक सभा एवं दानदाता सम्मान समारोह' का अत्यंत गरिमामयी और भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी अंतर्राष्ट्रीय मंडल 3040 के सम्माननीय मंडलाध्यक्ष रोटे. सुशील जी मल्होत्रा उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मंडल की प्रथम महिला रोटे. श्रीमती रूबी जी मल्होत्रा, दानदाता श्री मनोज भंसाली एवं सहायक मंडलाध्यक्ष रोटे. संजय जी गोठी मंचासीन थे। कार्यक्रम की

अध्यक्षता रोटरी क्लब नीमच के अध्यक्ष रोटे. गिरधारी लाल गोयल ने की, जबकि सचिवीय प्रतिवेदन रोटे. सुनील डबकरा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

समारोह प्रारंभ की उद्घोषणा सार्जेंट रोटे सुरेश सोडानी द्वारा की .रोटरी के जनक पॉल पी. हैरिस की मूर्ति पर आदरपूर्वक माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात रोटरी प्रार्थना का वाचन रोटे अन्तिमा भाटिया द्वारा किया गया। क्लब के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सदस्यों ने पधारे हुए सभी अतिथियों का पुष्पमालाओं और पुष्पगुच्छ से आत्मीय स्वागत किया।

समारोह का मुख्य आकर्षण दानदाता सम्मान रहा, जिसमें रोटरी क्लब नीमच द्वारा रोटरी अंतर्राष्ट्रीय ग्लोबल ग्रांट के अंतर्गत नीमच मानव सेवा समिति द्वारा संचालित डायलिसिस सेंटर को प्रदत्त 2 अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनों के लिए 10000 डॉलर का आर्थिक अंशदान प्रदान करने पर रोटरी फाउंडेशन द्वारा मेजर डोनर के सम्मान से सम्मानित अंचल के प्रतिष्ठित भंसाली परिवार की मुख्य स्तंभ श्रद्धेय श्रीमती कमलादेवी धर्मपत्नी स्व. श्री मांगीलाल भंसाली परिवार के श्री मनोज भंसाली का मंडलाध्यक्ष महोदय के कर-कमलों द्वारा शॉल, श्रीफल, भव्य पुष्प माला एवं रोटरी के विशेष अभिनंदन पत्र से भावभीना सम्मान किया गया। रोटरी क्लब नीमच के अध्यक्ष रोटे. गिरधारी लाल जी गोयल द्वारा भी वर्षभर में उनकी धर्मपत्नी स्व. लीलादेवी भंसाली की पुण्य स्मृति में ग्लोबल ग्रांट के अंतर्गत एक डायलिसिस मशीन के लिए आर्थिक अंशदान प्रदान करने, रोटरी सामुदायिक भवन का मुख्य द्वार निर्मित कराने एवं जलसेवा समिति नीमच को जल वाहन भेट करने पर उनकी उत्कृष्ट दानशीलता और अनुकरणीय सेवाभावना के लिए शॉल, श्रीफल, भव्य पुष्प माला एवं रोटरी के विशेष अभिनंदन पत्र से विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

नशीली चाय से लूटकांड

मोबाइल के आईएमईआई ने खोला राज, कोर्ट ने आरोपी को सुनाई 5 साल की सजा

नीमच। ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री को चाय में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश कर लूटपाट करने के मामले में नीमच जिला न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्रसिंह राजपूत की अदालत ने आरोपी महेन्द्र मीणा को दोषी पाते हुए 5 वर्ष के सश्रम कारावास और 5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। जिला लोक अभियोजक चंचल बाहेती ने बताया कि घटना 21 दिसंबर 2024 की है। फरियादी प्रेमकुमार शर्मा, निवासी भगवत नगर मंदसौर, सुबह मंदसौर से चित्तौड़गढ़ जाने के लिए ट्रेन के जनरल कोच में सवार हुए थे। कोच में पहले से बैठे तीन युवकों ने बातचीत के दौरान उन्हें चाय और पानी पीने का आग्रह किया। कई बार मना करने के बावजूद आरोपियों ने विश्वास में लेकर उन्हें चाय पिला दी। चाय पीते ही प्रेमकुमार शर्मा अचेत हो गए। इसी का फायदा उठाकर आरोपियों ने उनका मोबाइल, पर्स और अन्य सामान चोरी कर लिया। करीब 24 घंटे बाद होश में आने पर पीड़ित ने अपने परिजनों से संपर्क किया और बाद में जीआरपी थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। मोबाइल के आईएमईआई नंबर और साइबर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी महेन्द्र मीणा, राजेन्द्र सिंह मीणा और देवीलाल उर्फ देवा की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने मजबूत साक्ष्य, साइबर एक्सपर्ट की रिपोर्ट, पुलिस अधिकारियों और गवाहों के बयान प्रस्तुत किए।

सीआरपीएफ का संदेश, रक्तदान करें, जीवन बचाएं

नीमच। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), ग्रुप केंद्र नीमच द्वारा रविवार, दिनांक 14 जून 2026 को परिवार कल्याण केंद्र, ग्रुप केंद्र नीमच में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन श्री प्रमोद कुमार साहू, कमांडेंट, ग्रुप केंद्र नीमच के निर्देशन में संयुक्त अस्पताल, सीआरपीएफ नीमच के सहयोग से किया गया। इसमें ग्रुप केंद्र नीमच, रेंज नीमच, सीटीसी नीमच, आरटीसी नीमच, संयुक्त अस्पताल नीमच, प्रथम बटालियन तथा 4 सिग्नल बटालियन के अधिकारियों, जवानों, महिला कार्मिकों एवं कैम्प परिसर में निवासरत परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्देश्य रक्तदान के महत्व के संबंध में जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के महत्व को रेखांकित करना था। रक्तदान को जीवनरक्षक एवं मानवीय सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। इसी भावना के साथ अधिकारियों, जवानों एवं महिला कार्मिकों ने स्वैच्छिक रूप से रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में सहभागिता निभाई। शिविर के दौरान रक्तदाताओं को रक्तदान के लाभों एवं इससे जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी भी दी गई। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एक नजर

30 जून तक ई-केवाईसी नहीं करवाने पर बंद होगी सब्सिडी

ई-केवाईसी नहीं करवाई तो बंद हो सकता है गैस कनेक्शन

नीमच। एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी कराना अब बेहद जरूरी हो गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार जिन उपभोक्ताओं ने अब तक अपने गैस कनेक्शन का आधार सत्यापन या ई-केवाईसी नहीं कराया है, उन्हें 30 जून 2026 तक यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। निर्धारित समय सीमा तक ई-केवाईसी नहीं कराने पर 1 जुलाई से गैस सब्सिडी का लाभ बंद कर दिया जाएगा।

तेल कंपनियों के अधिकारियों के अनुसार फिलहाल ई-केवाईसी नहीं होने पर गैस सिलेंडर की सप्लाई तुरंत बंद नहीं होगी, लेकिन

उपभोक्ताओं को मिलने वाली सब्सिडी रोक दी जाएगी। साथ ही अगले चरण में ई-केवाईसी लंबित रहने पर ऐसे कनेक्शनों को सस्पेंड या निष्क्रिय करने की भी योजना है। ऐसा होने पर आपको मिलने वाला गैस सिलेंडर तब तक नहीं मिलेगा, जब तक आप इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर लेते। सत्यापन न होने की स्थिति में गैस खाते को स्थायी रूप से बंद भी किया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने पहले ही आधार प्रमाणीकरण या ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर ली है उन्हें दोबारा यह प्रक्रिया करने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि जिनका सत्यापन अभी तक लंबित है, उन्हें जल्द से जल्द ई-केवाईसी कराना होगा।

फर्जी और डुप्लीकेट कनेक्शन पर रोक है मकसद: सरकार ने 2016 से गैस खातों को आधार से लिंक करना अनिवार्य किया था। वहीं पिछले दो सालों से इसका खातों का आधार सत्यापन अनिवार्य किया है। इसका मकसद फर्जी और डुप्लीकेट कनेक्शनों को बंद करते हुए ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंद उपभोक्ताओं तक गैस सिलेंडर पहुंचाना है।-